Downloaded from www.studiestoday.com

यूनिट 2

उपभोक्ता व्यवहार तथा मांग

स्मरणीय बिंदु

- **उपभोक्ता :** वह आर्थिक एजेन्ट है जो अंतिम वस्तुओं व सेवाओं का उपभोग करता है।
- **कुल उपयोगिता :** एक निश्चित समय में वस्तु की सभी इकाइयों का उपभोग करने पर प्राप्त संतुष्टि का कुल योग, कुल उपयोगिता कहलाता है।
- **सीमांत उपयोगिता :** वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई का उपभोग करने पर कुल उपयोगिता में होने वाली शुद्ध वृद्धि को सीमांत उपयोगिता कहते हैं।
- **ह्रसमान सीमांत उपयोगिता नियम :** किसी वस्तु की इकाइयों का उत्तरोत्तर उपभोग करने पर प्रत्येक अगली इकाई से प्राप्त होने वाली सीमांत उपयोगिता क्रमशः घटती चली जाती है।
- **उपभोक्ता बंडल :** उपभोक्ता बंडल दो वस्तुओं की मात्राओं के उन सभी बंडलों का संयोजन अथवा समूह है जिन्हें उपभोक्ता वस्तुओं की कीमत तथा अपनी सीमित क्रय शक्ति के आधार पर खरीद सकता है।
- **उपभोक्ता बजट :** उपभोक्ता का बजट उसकी वास्तविक आय या क्रय शक्ति को बताता है जिसके द्वारा वह निश्चित कीमत वाली वस्तुओं की निश्चित मात्रा खरीद सकता है।
- **बजट रेखा :** बजट रेखा दो वस्तुओं के उन सभी संयोगों को एक ही वक्र पर दर्शाती है जिन्हें उपभोक्ता अपनी सीमित आय से खरीद सकता है।
- **बजट सेट :** यह उपभोक्ता के समस्त संयोजनों का या बंडलों का सेट है, जो वह अपनी मौद्रिक आय के अन्तर्गत प्रचलित कीमतों पर खरीद सकता है।
- **सीमांत प्रतिस्थापन दर :** वह दर जिस पर उपभोक्ता वस्तु-x की अतिरिक्त इकाई प्राप्त करने के लिए वस्तु-y की मात्रा त्यागने के लिए तैयार है।

  MRS = वस्तु-x/ वस्तु-y
- **अनधिमान वक्र :** अनधिमान वक्र वस्तुओं के उन विभिन्न संयोगो का दर्शाता है, जो उपभोक्ता को समान स्तर की उपयोगिता अथवा संतुष्टि प्रदान करता है।
- **अनधिमान वक्रों की विशेषताएं**

  1. अनधिमान वक्र ऋणात्मक ढलान वाले होते हैं।
  2. अनधिमान वक्र मूल बिन्दु की ओर उन्नतोदर होता है।
  3. अनधिमान वक्र न तो कभी एक दूसरे को छूते है और न ही काटते है।
  4. ऊंचा अनधिमान वक्र संतुष्टि के ऊंचे स्तर को प्रकट करता है।
- **एक दिष्ट अधिमान :** उपभोक्ता का अधिमान एकदिष्ट है यदि उपभोक्ता दो बंडलों के मध्य उस बंडल को प्राथमिकता देता है, जिसमें दूसरे बंडल की तुलना में कम से कम एक वस्तु की अधिक मात्रा होती है और दूसरी वस्तु की मात्रा समान होती है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

- **बजट रेखा में परिवर्तन :**
  1. बजट रेखा में समांतर खिसकाव (दायें तथा बायें) उपभोक्ता की आय में परिवर्तन के कारण होता है।
- **उपभोक्ता संतुलन :-** उपभोक्ता संतुलन की अवस्था में तब होता है जब वह अपनी सीमांत आय से अधिकतम संतुष्टि प्राप्त करता है।
- **उपभोक्ता संतुलन की शर्तें :** उपयोगिता विश्लेषण के अनुसार एक वस्तु की स्थिति में $MU_x = P_x$
- दो वस्तुओं की स्थिति में : $\frac{MU_x}{P_x} = \frac{MU_y}{P_y} = MU_m$

अनधिमान वक्र विश्लेषण के अनुसार

(i) सीमांत प्रतिस्थापन दर घटती हुई हो

(ii) $MRS_{xy} = \frac{P_x}{P_y}$

(iii) बजट रेखा अनधिमान वक्र को स्पर्श करे।

बिन्दु या ग्राफिक विधि :- मांग की लोच (दिये बिन्दु पर)

= बिन्दु से मांग वक्र का निचला भाग/बिन्दु से मांग वक्र का ऊपरी भाग

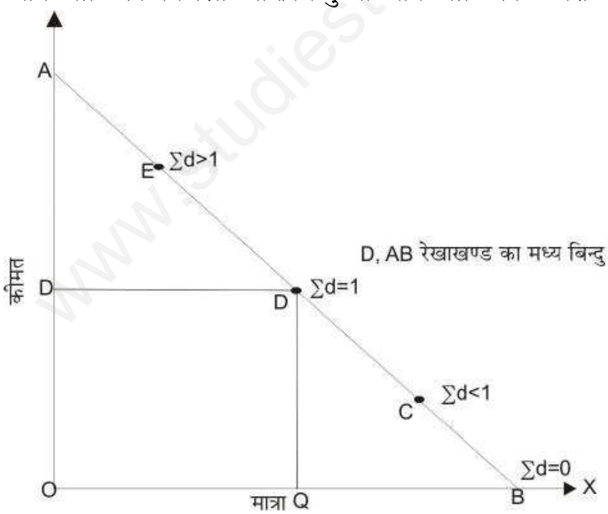

- **मांग :** वस्तु की वह मात्रा जिसे उपभोक्ता किसी निश्चित कीमत पर खरीदता है या खरीदने के लिए तैयार होता है।
- **बाजार मांग :** कीमत के एक निश्चित स्तर पर किसी बाजार में सभी उपभोक्ताओं द्वारा वस्तु की खरीदी गई मात्राओं का योग बाजार मांग कहलाता है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

मांग के निर्धारक तत्व

- वस्तु की कीमत
  - मांगी गई मात्रा में परिवर्तन
    - मांग में विस्तार
      - वस्तु की कीमत में कमी
        - मांग वक्र पर बिन्दु का नीचे की ओर संचलन
    - मांग में संकुचन
      - वस्तु की कीमत में वृद्धि
        - मांग वक्र पर बिन्दु का ऊपर की ओर संचलन
- अन्य कारक
  - (क) उपभोक्ता का आय
  - (ख) संबंधित वस्तुओं की कीमत में परिवर्तन
  - (ग) उपभोक्ता की रुचि फैशन, मौसम आदि
  - (घ) जनसंख्या में परिवर्तन
  - (ङ) भविष्य में कीमत परिवर्तन की संभावना
    - मांग में परिवर्तन
      - मांग वक्र में दांयी ओर खिसकाव/मांग में वृद्धि
        1. आय में वृद्धि (यदि सामान्य वस्तु)
        2. उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि।
        3. भविष्य में कीमत वृद्धि की संभावना।
        4. प्रतिस्थापन वस्तु कीमत में वृद्धि।
        5. पूरक वस्तु की कीमत में कमी।
        - उपर्युक्त कारणों से मांग वक्र का दाहिनी ओर खिसकाव
      - मांग में कमी/मांग वक्र में बायीं ओर खिसकाव
        1. आय में कमी (यदि सामान्य वस्तु)
        2. उपभोक्ताओं की संख्या में कमी।
        3. भविष्य में कीमत कम होने की संभावना।
        4. प्रतिस्थापन वस्तु कीमत में कमी।
        5. पूरक वस्तु की कीमत में वृद्धि।
        - उपर्युक्त कारणों से मांग वक्र का बाईं ओर खिसकाव

- **मांग मात्रा में परिवर्तन :** वस्तु की अपनी कीमत में परिवर्तन के कारण वस्तु की मांग में परिवर्तन।
- **मांग में परिवर्तन :** कीमत के स्थिर रहने पर किसी अन्य कारक में परिवर्तन होने से जब वस्तु की मांग घट या बढ़ जाती है।
- **मांग फलन :** यह किसी वस्तु की मांग तथा उसे प्रभावित करने वाले कारकों के फलनात्मक संबंध को बताता है।
- **मांग की कीमत लोच :** मांग की कीमत लोच, कीमत में होने वाले परिवर्तन के फलस्वरूप मांग की मात्रा में होने वाले प्रतिक्रियात्मक परिवर्तन को संख्यात्मक रूप में मापती है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

मांग की कीमत लोच को मापने की विधियां

कुल व्यय विधि | बिन्दु/ग्राफिक विधि | प्रतिशत/अनुपातिक विधि

कुल व्यय विधि : इस विधि के अनुसार कीमत में परिवर्तन से पूर्व व्यय तथा कीमत में परिवर्तन के बाद व्यय का अध्ययन करके मांग की लोच तय की जाती है।

स्थिति 1 :- जब कीमत तथा कुल व्यय विपरीत दिशा में गति करते हैं तब $d>1$ यह लोचदार मांग की दशा है।

स्थिति 2 :- जब कीमत में परिवर्तन होने पर कुल व्यय में परिवर्तन नहीं होता। तब $d=1$ यह इकाई लोच की दशा है।

स्थिति 3 :- जब कीमत तथा कुल व्यय समान दिशा में गति करते है। तब $d<1$ यह बेलोचदार मांग की दशा है।

बिन्दु या ग्राफिक विधि : मांग की लोच (दिये बिन्दु पर) $\frac{\text{बिन्दु से मांग वक्र का निचला भाग}}{\text{बिन्दु से मांग वक्र का ऊपरी भाग}}$

प्रतिशत या आनुपातिक विधि : $E_D = (-) \frac{Q}{P} \quad \frac{P}{Q}$ अथवा $E_D = (-) \frac{Q_1 \quad Q_0}{P_1 \quad P_0} \quad \frac{P_0}{Q_0}$

जहाँ पर $P = P_0$ = प्रारंभिक कीमत

$Q = Q_0$ = प्रारंभिक मात्रा

P_1 = अन्तिम कीमत

Q_1 = अन्तिम मात्रा

P = कीमत में परिवर्तन

Q = मांग में परिवर्तन

E_D = मांग की कीमत लोच

अथवा, E_D $\frac{\text{मांग में प्रतिशत परिवर्तन}}{\text{कीमत में प्रतिशत परिवर्तन}}$

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

मांग की कीमत लोच की श्रेणियां

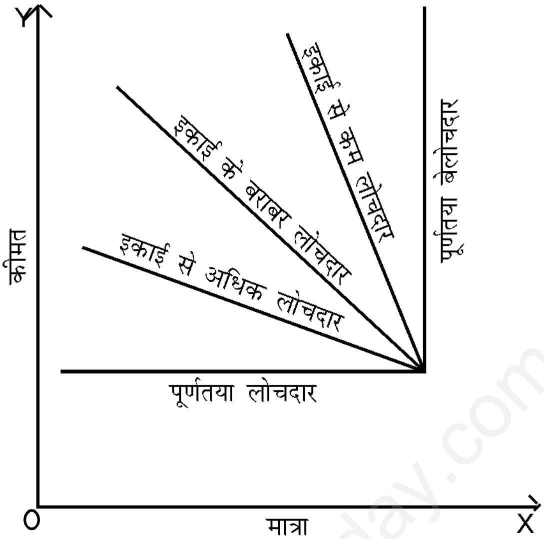

- मांग की कीमत लोच को प्रभावित करने वाले कारक
  - (क) उपभोक्ता व्यवहार
  - (ख) वस्तु की प्रकृति
  - (ग) उपभोग के स्थगन की संभावना
  - (घ) वस्तु पर व्यय किया जाने वाला आय का भाग
  - (ङ) वस्तु के विविध प्रयोग
  - (च) उपभोक्ता की आय
  - (छ) निकटतम प्रतिस्थापनों की उपलब्धता

अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (एक अंक)

1. उपयोगिता से क्या अभिप्राय है?
2. सीमान्त उपयोगिता से कुल उपयोगिता की गणना कैसे करते हैं?
3. सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम क्या है?
4. सीमान्त उपयोगिता शून्य होने पर कुल उपयोगिता का व्यवहार कैसा होता है?
5. एक वस्तु के सन्दर्भ में उपभोक्ता सन्तुलन की शर्त लिखिए।
6. उपभोक्ता सन्तुलन से क्या अभिप्राय है?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

7. उपभोक्ता बजट को परिभाषित कीजिए।
8. उपभोक्ता बंडल से क्या अभिप्राय है?
9. बजट सेट को परिभाषित कीजिए।
10. अनधिमान वक्र को परिभाषित कीजिए।
11. बजट रेखा को परिभाषित कीजिए।
12. ऊंचा अनधिमान वक्र अधिक संतुष्टि क्यों प्रदान करता है?
13. घटती सीमान्त प्रतिस्थापन दर का अनधिमान वक्र के ढाल का क्या प्रभाव पड़ता है।
14. एक दिष्ट अधिमान से क्या अभिप्राय है?
15. सामान्य वस्तु को परिभाषित कीजिए।
16. किसी वस्तु की निकटतम प्रतिस्थानापन्न वस्तु उपलब्ध होने पर उसकी मांग की लोच किस प्रकार प्रभावित होती है?
17. उपभोक्ता की आय में वृद्धि होने पर 'X' वस्तु की मांग में कमी आ जाती है। वस्तु 'X' किस प्रकार की वस्तु है?
18. किसी वस्तु की प्रतिस्थापन वस्तु की कीमत बढ़ने पर उस वस्तु की मांग पर क्या प्रभाव पड़ता है?
19. वस्तु की कीमत में वृद्धि होने पर उस वस्तु पर होने वाले कुल व्यय में कमी हो जाती है। वस्तु की मांग लोचदार होगी या बेलोचदार।
20. बाजार मांग से क्या अभिप्राय है?
21. मांग अनुसूची को परिभाषित कीजिए।
22. मांग वक्र पर ऊपर की ओर संचलन किस कारण से होता है?
23. क्रेताओं की संख्या में कमी के फलस्वरूप मांग वक्र में किस ओर खिसकाव होगा?
24. सरल रेखीय मांग वक्र के मध्य बिन्दु पर मांग की लोच क्या होगी?
25. मांग वक्र का ढाल यदि X-अक्ष के समान्तर हो तो उस स्थिति में मांग की लोच क्या होगी?
26. पानी की मांग बेलोचदार क्यों होती है?
27. मांग की कीमत लोच की परिभाषा लिखें?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

उच्च स्तरीय बुद्धि कौशल – *H.O.T.S.*

28. वस्तु की इकाइयों का प्रयोग लगातार करने से अधिकतम होने तक कुल उपयोगिता घटती दर पर क्यों बढ़ती है?
29. पेन की कीमत में कमी होने से स्याही की मांग क्यों बढ़ जाती है?
30. कुल उपयोगिता का व्यवहार कैसा होगा जब सीमान्त उपयोगिता वक्र X-अक्ष के नीचे स्थित होता है?
31. मांग बेलोचदार कब होती है?
32. सामान्य तथा घटिया वस्तुओं के दो–दो उदाहरण दीजिए?

3–4 अंक वाले प्रश्न

1. तालिका की सहायता से कुल उपयोगिता एवं सीमान्त उपयोगिता में संबंध बताइये?
2. एक वस्तु की स्थिति में उपयोगिता अवधारणा की सहायता से उपभोक्ता सन्तुलन की व्याख्या कीजिए।
3. बजट रेखा से क्या अभिप्राय है? इसमें परिवर्तन किन कारणों से होता है?
4. कुल उपयोगिता में क्या परिवर्तन होंगे जबकि–
   (क) सीमान्त उपयोगिता वक्र X-अक्ष के ऊपर स्थित हो।
   (ख) सीमान्त उपयोगिता वक्र X-अक्ष को स्पर्श कर रहा हो?
   (ग) सीमान्त उपयोगिता वक्र X-अक्ष के नीचे स्थित हो?
5. अनधिमान वक्र की तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए?
6. दो अनधिमान वक्र दूसरे को स्पर्श क्यों नहीं करते?
7. बजट रेखा में समान्तर खिसकास किस स्थिति में होता है?
8. एक वस्तु X की मांग पर क्या प्रभाव पड़ेगा यदि संबंधित वस्तु की कीमत में वृद्धि हो जाय?
9. उपभोक्ता की आय बढ़ने पर सामान्य वस्तु की मांग क्यों बढ़ती है?
10. निम्न वस्तुओं की मांग की लोच को स्पष्ट कीजिए–
    (क) विलासिता की वस्तुएं
    (ख) वैकल्पिक प्रयोग की वस्तुएं
    (ग) अनिवार्य वस्तुएं

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

11. एक रेखा चित्र की सहायता से मांग के विस्तार और मांग की वृद्धि में अन्तर स्पष्ट कीजिए?

12. एक सरल रेखीय मांग वक्र पर स्थित निम्न बिन्दुओं पर मांग की कीमत लोच मापिये?

    (क) मांग वक्र के मध्य में स्थित बिन्दु पर।

    (ख) मांग वक्र जहां Y-अक्ष को स्पर्श कर रहा हो।

    (ग) मांग वक्र जहां X-अक्ष को स्पर्श कर रहा हो।

13. मांग में परिवर्तन तथा मांगी गई मात्रा में परिवर्तन में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

14. मांग की लोच पर निम्न कारकों का क्या प्रभाव होता है?

    (क) समय तत्व

    (ख) वस्तु की प्रकृति

15. मांग वक्र का ढाल निम्न स्थितियों में कैसा होगा–

    (क) पूर्णतया लोचदार मांग

    (ख) पूर्णतया बेलोचदार मांग

    (ग) इकाई के बराबर लोचदार मांग

16. मांग वक्र में दाई ओर खिसकाव (मांग में वृद्धि) के प्रमुख कारक लिखकर किसी एक की व्याख्या कीजिए।

17. मांग में कमी (मांग वक्र में बांई ओर खिसकाव) के प्रमुख कारक लिखकर किसी एक की व्याख्या कीजिए।

18. वस्तु पर खर्च किया जाने वाला आय का भाग उसकी मांग की लोच पर क्या प्रभाव डालता है?

19. मांग की लोच क्या होगी यदि वस्तु की –

    (क) कीमत में वृद्धि के कारण कुल व्यय में वृद्धि हो जाए।

    (ख) कीमत में कमी होने के कारण कुल व्यय में वृद्धि हो जाए।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

संख्यात्मक प्रश्न

20. रू. 7 प्रति इकाई पर एक उपभोक्ता वस्तु की 12 इकाई खरीदता है जब कीमत गिर कर रू. 6 प्रति इकाई हो जाती है वह उस वस्तु पर रू.72 व्यय करता है। प्रतिशत विधि द्वारा कीमत मांग लोच ज्ञात कीजिए। लोच के इस माप के आधार पर मांग वक्र के संभावित आकार पर टिप्पणी कीजिए।

21. एक उपभोक्ता रू.10 प्रति इकाई पर एक वस्तु की 9 इकाइयां खरीदता है। रू.9 प्रति इकाई पर वह 10 इकाइयां खरीदता है। कीमत मांग लोच ज्ञात कीजिए। व्यय विधि का प्रयोग कीजिए। लोच के इस माप के आधार पर मांग वक्र के संभावित आकार पर टिप्पणी कीजिए।

22. एक उपभोक्ता रू. 5 प्रति इकाई पर वस्तु की 20 इकाइयां खरीदता है। जब वह उसी वस्तु की 24 इकाइयां खरीदता है तो इस पर कुल व्यय पर रू.120 होता है। प्रतिशत विधि द्वारा कीमत मांग लोच ज्ञात कीजिए। इस सूचना के आधार पर मांग वक्र के संभावित आकार पर टिप्पणी कीजिए।

23. जब एक वस्तु की कीमत 2 रु. प्रति इकाई घटती है तो उसकी मांग–मात्रा 10 इकाई बढ़ जाती है। इसकी मांग की कीमत लोच (–) 1 है। परिवर्तन से पूर्व इसकी कीमत 10 रु. प्रति इकाई पर इसकी मांग–मात्रा का परिकलन कीजिए।

24. एक वस्तु की कीमत लोच – 0.5 है। रु. 20 प्रति इकाई कीमत पर इस पर कुल व्यय रु. 2,000 है। इसकी कीमत 10 प्रतिशत घटा दी जाती है। घटी हुई कीमत पर इसकी मांग का परिकलन कीजिए।

उच्च स्तरीय बुद्धि कौशल – *H.O.T.S.*

25. मांग की कीमत लोच के चार निर्धारक तत्व स्पष्ट कीजिए।

26. निम्न समीकरणों में रिक्त स्थान भरो–

(i) $MU = \frac{?}{Q}$ (ii) ? = MU

(iii) $MU_n = TU_n - ?$ (iv) $e_D = \frac{Q}{?} \frac{P}{Q}$

अन्तर स्पष्ट करो–

(क) सामान्य वस्तुएं और निम्न कोटि वस्तुएं।

(ख) पूरक वस्तुएं एवम् प्रतिस्थापन वस्तुएं।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

27. बजट रेखा क्या होती है? इसका ढलान ऋणात्मक क्यों होता है।

28. एक उपभोक्ता केवल दो वस्तुओं X तथा Y का उपभोग करता है। उपयोगिता विश्लेषण की सहायता से उपभोक्ता संतुलन की शर्ते बताइए और उनकी व्याख्या कीजिए।

29. उपभोक्ता के संतुलन बिन्दु पर बजट रेखा का अनधिमान वक्र को स्पर्श करना क्यों आवश्यक है?

30. बजट रेखा को आय रेखा या कीमत रेखा क्यों कहा जाता है?

31. अनधिमान वक्र के सन्दर्भ में सीमान्त प्रतिस्थापन दर क्यों कम होती है?

32. वे शर्ते समझाइए जिससे यह निर्धारित होता है कि किसी कीमत पर एक उपभोक्ता वस्तु की कितनी इकाई खरीदेगा।

33. सीमांत प्रतिस्थापन दर की परिभाषा दीजिए। समझाइए कि एक अनधिमान वक्र उन्नतोदर (उत्तल) क्यो होता है।

दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न (6 अंक)

1. अनधिमान वक्र विश्लेषण की सहायता से उपभोक्ता संतुलन की शर्तें समझाइए। इन्हें एक रेखाचित्र पर दिखाइए।

2. उपयोगिता अनुसूची की सहायता से दो वस्तुओं के संबंध में उपभोक्ता के सन्तुलन की व्याख्या कीजिए।

3. मांग वक्र का ढलान ऋणात्मक क्यों होता है?

4. मांग की लोच के निर्धारक तत्वों की व्याख्या कीजिए।

5. अनधिमान वक्र विधि के अन्तर्गत उपभोक्ता के संतुलन की शर्तें क्या हैं? यदि शर्तें पूरी नहीं होती तो संतुलन तक पहुँचने में क्या परिवर्तन होंगे? वर्णन कीजिए।

6. रेखा चित्रों का प्रयोग करते हुए समझाइए कि निम्नलिखित का वस्तु की मांग पर क्या प्रभाव पड़ता है?

   (1) उपभोक्ता की आय में वृद्धि

   (2) संबंधित वस्तुओं की कीमतों में कमी

7. अनधिमान वक्रों की तीन विशेषताएं समझाइए।

8. एक उदाहरण द्वारा सीमांत प्रतिपादन दर की अवधारणा समझाइए। जब उपभोक्ता अवधिमान वक्र पर नीचे की ओर जाता है तो सीमांत प्रतिस्थापन दर में क्या परिवर्तन आता है? अपने उत्तर के लिए कारण दीजिए।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

उच्च स्तरीय बुद्धि कौशल – *H.O.T.S.*

9. संख्यात्मक उदाहरण की सहायता से कुल व्यय विधि द्वारा निम्न स्थितियों में मांग की लोच का परिकलन कीजिए–

   (क) स्थिर कीमत पर मांग में गिरावट।

   (ख) स्थिर मांग पर कीमत में गिरावट।

10. चाय की कीमत में कमी कॉफी की संतुलन कीमत को कैसे प्रभावित करेगी? प्रभावों की श्रृंखला समझाइए।

11. कारण सहित लिखिए कि निम्न कथन सही है अथवा गलत।

   (क) दो अनधिमान वक्र कभी भी एक दूसरे को नहीं काटते।

   (ख) निम्न कोटि वस्तुओं का आय प्रभाव धनात्मक होता है।

   (ग) मांगी गई मात्रा में परिवर्तन, मांग के नियम की व्याख्या करता है।

12. निम्न कथन सत्य है या असत्य। कारण सहित स्पष्ट कीजिए–

   (क) क्रेताओं की संख्या में वृद्धि मांग वक्र को दाईं ओर खिसका देती है।

   (ख) बाजार में किसी वस्तु के प्रतिस्थापन की उपस्थिति के कारण उस वस्तु की मांग लोचदार हो जाती है।

   (ग) एक सरल रेखीय मांग वक्र के मध्य बिन्दु पर मांग की लोच ईकाई के बराबर होती है।

अति लघु उत्तर प्रश्नों के उत्तर (1 अंक)

1. वस्तुओं में मानवीय आवश्यकताओं की सन्तुष्टि हेतु पाये जाने वाले गुण को उपयोगिता कहते हैं।

2. सीमान्त उपयोगिताओं के सतत योग द्वारा कुल उपयोगिता की गणना की जाती है। (TU = MU)

3. सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम यह बताता है कि जैसे–जैसे किसी वस्तु की समान इकाइयों का लगातार प्रयोग किया जाता है तो प्रत्येक अगली इकाई से प्राप्त सीमान्त उपयोगिता घटती जाती है।

4. कुल उपयोगिता अधिकतम होगी।

5. $MU_x = P_x$ अर्थात् वस्तु से प्राप्त सीमान्त उपयोगिता = वस्तु की कीमत।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

6. उपभोक्ता सन्तुलन से अभिप्राय उस स्थिति से है जिस में एक उपभोक्ता अपनी दी हुई आय तथा बाजार कीमतों पर अधिकतम सन्तुष्टि प्राप्त करता है।

7. उपभोक्ता का बजट उसकी वास्तविक आय की क्रय शक्ति की कीमत है जिसकी सहायता से वह निश्चित कीमत वाली वस्तुओं की निश्चित मात्रा खरीद सकता है।

8. उपभोक्ता बंडल दो वस्तुओं की मात्राओं के ऐसे समूह को कहा जाता है कि जिन्हें उपभोक्ता अपनी सीमित आय की सहायता से खरीद सकता है।

9. बजट सेट दो वस्तुओं की मात्राओं के उन सभी बंडलों का संयोजन अथवा समूह है जिन्हें उपभोक्ता अपनी सीमित आय तथा दोनों वस्तुओं की कीमतों के आधार पर खरीद सकता है।

10. किसी वस्तु की स्थानापन्न वस्तु की कीमत में कमी से उस वस्तु की मांग घट जायेगी तथा स्थानापन्न वस्तु की मांग बढ़ जायेगी।

11. बजट रेखा दो वस्तुओं के उन सभी संभावित संयोगों को एक ही वक्र पर प्रदर्शित करती है जिन्हें उपभोक्ता अपनी सीमित आय से खरीद सकता है।

12. ऊँचे अनधिमान वक्र पर उपभोक्ता को प्रत्येक बिन्दु पर नीचे अनधिमान वक्र की तुलना में दोनों वस्तुओं की अधिाक इकाइयां प्राप्त होती हैं।

13. अनधिमान वक्र मूल बिन्दु की ओर उन्नतोदर हो जाती है।

14. उपभोक्ता का अधिमान एकदिष्ट है यदि उपभोक्ता दो बंडलों के मध्य उस बंडल को प्राथमिकता देता है जिसमें दूसरे बंडल की तुलना में कम से कम एक वस्तु की अधिक मात्रा होती है और दूसरी वस्तु की मात्रा समान होती है।

15. वे वस्तुएं जिनका आय प्रभाव धनात्मक तथा कीमत प्रभाव ऋणात्मक हो वे सामान्य वस्तु कहलाती है।

16. निकटतम प्रतिस्थापन वस्तु उपलब्ध होने पर वस्तु की मांग लोचदार हो जाती है।

17. घटिया या निम्न कोटि वस्तु।

18. प्रतिस्थापन वस्तु की मांग बढ़ जायेगी।

19. मांग इकाई से अधिक लोचदार होगी।

20. किसी बाजार में एक निश्चित कीमत पर सभी उपभोक्ताओं द्वारा वस्तु की खरीदी गई मात्रा का योग बाजार मांग कहलाता है।

21. मांग अनुसूची कीमत के विभिन्न स्तरों पर मांग की मात्राओं को तालिका के रूप में दर्शाती है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

22. मांग वक्र पर ऊपर की ओर संचलन, कीमत में वृद्धि के कारण होता है।
23. मांग वक्र बाईं ओर खिसकेगा।
24. इकाई के बराबर लोचदार।
25. पूर्णतया लोचदार।
26. क्योंकि पानी एक अनिवार्य आवश्यक वस्तु है।
27. मांग की कीमत लोच किसी वस्तु की कीमत में होने वाले परिवर्तन को प्रतिक्रिया स्वरूप मांगी गई मात्रा में होने वाले परिवर्तन का माप है।
28. वस्तु की प्रत्येक अगली इकाई से प्राप्त सीमान्त उपयोगिता घटती जाती है जिससे कुल उपयोगिता अधिकतम होने तक घटती दर से बढ़ती है।
29. क्योंकि पेन और स्याही पूरक वस्तुएं हैं।
30. कुल उपयोगिता घटना प्रारम्भ कर देगी।
31. मांग बेलोचदार तब कहलाती है जब मांग की मात्रा में प्रतिशत परिवर्तन कीमत में प्रतिशत परिवर्तन से कम होता है।
32. सामान्य वस्तुएं – चावल, गेहूँ

    घटिया वस्तुएं – मोटा अनाज, मोटा कपड़ा

Downloaded from www.studiestoday.com